कानूनी न्याय को प्राप्त करने के साधन (Measures for the attainment of Legal Justice)

यद्यपि राजनीतिक चिन्तन में न्याय की धारणा पर विविध दृष्टि से विचार किया जाता रहा है, लेकिन आज न्याय का तात्पर्य प्रमुख रूप से कानूनी न्याय से ही लिया जाता है। लास्की के द्वारा अपने प्रसिद्ध ग्रन्थ 'राजनीति के मूल तत्व' (Grammar of Politics) में कानूनी न्याय प्राप्त करने के साधनों का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है। कानूनी न्याय को प्राप्त करने के लिए निम्न साधन प्रमुख रूप से अपनाये जाने चाहिए।

(i) न्यायपालिका का कार्यपालिका के प्रभाव से मुक्त होना — यदि न्यायपालिका कार्यपालिका के दबाव से मुक्त नहीं हुई, तो उसके द्वारा निष्पक्ष रूप से न्याय प्रदान करने का कार्य नहीं किया जा सकेगा।

(ii) न्यायाधीशों की नियुक्ति - लास्की ने लिखा है न्यायाधीशों की कार्यपालिका द्वारा नियुक्ति के परिणाम सबसे अच्छे रहे हैं, परन्तु यह अति आवश्यक है कि न्यायाधीशों के पदों को राजनीतिक सेवा का फल नहीं बनाया जाना चाहिए।

(iii) न्यायाधीशों के लिए उच्च योग्यताएँ - न्याय की उचित रूप में प्राप्ति के लिए आवश्यक है कि न्यायाधीशों का पद केवल ऐसे ही व्यक्तियों को प्रदान किया जाए, जिनकी व्यावसायिक कुशलता और निष्पक्षता सर्वमान्य हो।

(iv) पर्याप्त वेतन और पदोन्नति के अवसर — हैमिल्टन ने अपनी पुस्तक राजनीति के तत्व (Elements of Politics) में लिखा है कि यह मानव स्वभाव है कि व्यक्ति अपनी आजीविका की दृष्टि से शक्ति सम्पन्न है, उनके पास संकल्प की शक्ति का भी बड़ा बल होता है। यह कथन पूर्ण सत्य है और इसके आधार पर कहा जा सकता है कि न्यायाधीशों को निश्चित और पर्याप्त वेतन दिया जाना चाहिए। इस बात की आशंका बनी रहती है कि कम वेतन पाने वाले न्यायाधीश भ्रष्टाचार का शिकार हो जायेंगे। इसके अलावा न्यायाधीशों को

Avinash

Scanned with CamScanner

पदोन्नति के अवसर भी दिये जाने चाहिए, जिससे उनकी अपने कार्य में रुचि बनी रहे।

(v) लम्बा कार्यकाल और पद की सुरक्षा - लम्बा कार्यकाल होने पर न्यायाधीश अपने कार्य का अनुभव प्राप्त कर अधिक कुशल बन जाते हैं एवं स्वतन्त्रता और निष्पक्षता के साथ अपना कार्य कर सकते है। इसके साथ ही ऐसी व्यवस्था की जानी चाहिए कि न्यायाधीशों को पद की सुरक्षा प्राप्त हो और कार्यपालिका अपनी इच्छानुसार उन्हें न हटा सके।

(vi) न्यायाधीशों के लिए अवकाश प्राप्ति के बाद व्यवसाय निषेध- शक्ति के बुरे प्रयोग को रोकने के लिए आवश्यक है कि न्यायाधीश को अवकाश प्राप्ति के बाद वकालत करने के लिए निषेध किया जाय। पुनः जो व्यक्ति एक बार न्यायिक पद प्राप्त कर चुका हो, उसे किसी भी राजनीतिक या कार्यपालिका पद का पात्र नहीं समझा जाना चाहिए।

(vii) न्याय में समानता की व्यवस्था - न्याय में समानता को प्राप्त करने के लिए दो व्यवस्थाएँ जरूरी है। पहली, विशेषाधिकारों की समाप्ति और दूसरी, निःशुल्क कानूनी सहायता की व्यवस्था। वास्तव में, मुफ्त कानूनी सहायता (free legal Aid) की व्यवस्था होने पर ही साधारण व्यक्ति न्याय प्राप्त करने की आशा कर सकता है।

Avinash

Scanned with CamScanner